भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 641
उत्तर दिनांक 05/02/2026 को दिया गया

परमाणु ऊर्जा क्षमता का विस्तार

641. श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) भारत की संस्थापित परमाणु ऊर्जा क्षमता तथा वर्ष 2031-32 तक इसकी 22,480 मेगावाट तक अनुमानित वृद्धि की, समय-सीमा एवं विकास के चरणों का ब्यौरे सहित, वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) विशेष रूप से वर्तमान में संस्थापित 24 परमाणु रिएक्टरों सहित विद्यमान परमाणु रिएक्टरों की परिचालनात्मक दक्षता एवं सुरक्षा बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं तथा कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में 15,300 मेगावाट की कुल क्षमता वाले 21 नए रिएक्टरों से संबंधित ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने परमाणु ऊर्जा क्षमता के विस्तार से होने वाले पर्यावरणीय प्रभावों के संबंध में कोई आकलन किये हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) व (ख) देश में वर्तमान में स्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 24 नाभिकीय विद्युत संयंत्रों (आरएपीएस-1 - 100 मेगावाट को छोड़कर) को मिलाकर 8,780 मेगावाट है। इसके अतिरिक्त वर्तमान में, 13100 मेगावाट की कुल क्षमता के सत्रह नाभिकीय विद्युत रिएक्टर कार्यान्वयनाधीन हैं, जिनमें सात नाभिकीय रिएक्टर निर्माणाधीन और दस रिएक्टर पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन हैं। इनके वर्ष 2031-32 तक क्रमिक पूर्ण होने की आशा है।

इसके अलावा, भाविनि वर्तमान में कल्पाक्कम, तमिलनाडु में 500 मेगावाट प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) परियोजना के कमीशनन का कार्य कर रही है। सरकार ने कल्पाक्कम, तमिलनाडु में एफबीआर 1 व 2 परियोजना की 2 X 500 मेगावाट की द्वि-यूनिटों के लिए पूर्व-परियोजना गतिविधियां संचालित करने हेतु अनुमोदन प्रदान कर दिया है। पीएफबीआर के प्रथम क्रांतिकता प्राप्त होने के उपरांत, एफबीआर 1 व 2 परियोजनाओं की वित्तीय मंजूरी के लिए सरकार से संपर्क किया जाएगा।

रिएक्टरों की संरक्षा और निष्पादन की समीक्षा और उनके संरक्षा और निष्पादन को अत्याधुनिक बनाने के लिए आवश्यक उन्नयन उपायों का कार्यान्वयन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

वर्तमान में, 24 में से 04 प्रचालित रिएक्टरों के लिए प्रमुख नवीनीकरण और आधुनिकीकरण / नवीकरण का कार्य प्रगति पर है। कार्यान्वयनाधीन 17 रिएक्टरों का विवरण निम्नानुसार है:

स्थल	**परियोजना**	**क्षमता (मेगावाट)**	**भौतिक प्रगति**
निर्माण/कमीशनन के अधीन परियोजनाएं			
रावतभाटा राजस्थान	आरएपीपी-8	1 X 700	98.60
कुडनकुलम, तमिलनाडु	केकेएनपीपी -3 व 4	2 X 1000	80.51
	केकेएनपीपी-5 व 6	2 X 1000	41.56
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी-1 व 2	2 X 700	निर्माण कार्य प्रगति पर है।
पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन परियोजनाएं			
कैगा, कर्नाटक	कैगा-5 व 6	2 X 700	विभिन्न स्तरों पर पूर्व-परियोजना गतिविधियों के अधीन
गोरखपुर, हरियाणा	जीएचएवीपी-3 व 4	2 X 700	
चुटका, मध्य प्रदेश	चुटका -1 व 2	2 X 700	
माही बांसवाड़ा, राजस्थान	माही बांसवाड़ा -1 व 2*	2 X 700	
	माही बांसवाड़ा -3 व 4*	2 X 700	

* माही बांसवाड़ा-1 व 2 और माही बांसवाड़ा-3 व 4 का कार्यान्वयन एनपीसीआईएल और एनटीपीसी के संयुक्त उद्यम, अश्विनी द्वारा किया जा रहा है।

(ग) हां। नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के संबंध में, एमओईएफएंडसीसी द्वारा अनुमोदित संदर्भ की शर्तों (टीओआर) के अनुरूप व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन किया जाता है और एमओईएफएंडसीसी से परियोजना के लिए पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है। पर्यावरणीय अनुमति प्राप्त होने पर ही परियोजना निर्माण आरम्भ किया जाता है।

*****